

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, ओल्ड टेस्टामेंट पृष्ठभूमि, व्याख्यान 20, असीरिया की मृत्यु

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 20 है, असीरिया का निधन।

मुझे महान शिकागो बियर फुटबॉल कोच माइक डिटका की एक कहावत याद है, जिन्होंने निकेल को मैनहोल कवर की तरह फेंकने के बारे में कुछ कहा था।

मैंने इसे एक तरह से एक कहावत में बदल दिया जिसका मैं बहुत उपयोग करता हूँ। जब आप इन साम्राज्यों से गुजर रहे हैं जैसे हम कर रहे हैं, तो ऐसा नहीं है कि हम 40,000 फीट से ऐसा कर रहे हैं। पृथ्वी को देखने पर ऐसा लगता है जैसे हम वास्तव में चंद्रमा पर हैं।

हम इससे कितने दूर हैं। लेकिन पुराने नियम के अध्ययनों में आप जो करते हैं वह यह है कि आप सदियों को इधर-उधर फेंक देते हैं। आप शतकों को ऐसे इधर-उधर फेंक देते हैं जैसे वे निकेल हों।

हम उन सदियों के बारे में बात कर रहे हैं जिनसे हम निपट रहे हैं, और हम केवल कुछ छोटी, या कुछ नहीं, छोटी चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हम बस कुछ चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। और यह पुराने नियम के साथ समस्या है, या समस्याओं में से एक है क्योंकि यह बहुत सारे क्षेत्र को कवर करता है।

हे भगवान, इसके साथ न्याय करना लगभग असंभव है। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी ने मुझे कितने क्रेडिट घंटे दिए, सैद्धांतिक रूप से मुझे और अधिक की आवश्यकता होगी। तो हम यहीं पर हैं।

लेकिन हम इस वीडियो में असीरियन साम्राज्य को भुगतान करने जा रहे हैं और संभवतः नव-बेबीलोनियन साम्राज्य की शुरुआत करेंगे। तो, आइए अपना ध्यान वापस सन्हेरीब की ओर मोड़ें। सन्हेरीब को पश्चिम में विद्रोह का सामना करना पड़ा और इस कारण वह बाइबिल के पन्नों में प्रसिद्ध हो गया।

इसलिए, पश्चिम में, वह दक्षिण में आया और हड़पने वाले मेरेडिथ बालादान को हटा दिया, जिसके बारे में हमने बात की थी। और फिर हम इस अभियान को पश्चिम की ओर देखने के लिए तैयार हैं, जिसने बहुत विवाद पैदा किया है। और इसका कारण, कुछ हद तक, यह है कि बाइबल सन्हेरीब के अभियान को दर्ज करती है, और फिर हमारे पास सन्हेरीब के अभियान का विवरण है।

वे एक-दूसरे से थोड़े अलग हैं, जिससे यह जानना मुश्किल हो जाता है कि दक्षिणी राज्य यहूदा के खिलाफ उसके अभियान के इन दो खातों को कैसे जोड़ा जाए। इससे पहले, हिजकिय्याह को सरगोन के खिलाफ इस विद्रोह में शामिल होने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने समझदारी से

इनकार कर दिया था। अब, यशायाह की परिषद के खिलाफ, वह मिस्र में सोर के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो गया, जिसमें बायब्लोस, अर्पाद, मोआब, एदोम, अम्मोन और अश्कलोन शामिल थे।

खैर, हमने वहां बहुत सारे नाम सूचीबद्ध किए हैं, लेकिन केवल कुछ ही राज्य। उनमें से ज्यादातर सिर्फ शहर हैं। इसलिए, यह कोई विशेष प्रभावशाली गठबंधन नहीं था।

कोई भी आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकता कि हिजकिय्याह के दिमाग में क्या चल रहा था? असीरियन वास्तव में कभी पराजित नहीं हुए थे, और वास्तव में, वे शायद ही कभी कोई लड़ाई हारे थे। मेरा मतलब है, उन्होंने कुछ हारे, लेकिन जब वे एक लड़ाई हार गए, तो यह उल्लेखनीय था, उन्हें हराना तो दूर की बात है। तो, इसके कारण, आप स्वयं को यह कहते हुए पाते हैं, हिजकिय्याह क्या सोच रहा था? अब, यशायाह एक महान राजा था।

जब आप मानचित्र को देखते हैं, तो आप जानते हैं, मैं पहले पन्ने पर शीर्षकों को पढ़ने की कोशिश की गलती के बारे में बात करता रहता हूँ, लेकिन एकमात्र अनुकूल शीर्षक जो मैं देख सकता हूँ वह यह है कि असीरियन राजा कम सैन्य अभियान कर रहे थे। शायद वे कम सैन्य अभियान चला रहे थे क्योंकि कम विद्रोह थे। लेकिन मैं आपको किसी सार्थक तरीके से बताने में असमर्थ हूँ; मैं अपने दिमाग से कुछ निकालने की कोशिश करने में असमर्थ हूँ जो यह समझा सके कि हिजकिय्याह विद्रोह क्यों करेगा।

उसके पास इतनी स्वतंत्रता है कि वह इतना होशियार होता कि बस यह देखने के लिए इंतजार करता कि क्या असीरियन साम्राज्य ध्वस्त हो जाएगा, लेकिन इसके बजाय, उसे प्रलोभन दिया गया। वह प्रलोभन के आगे झुक गया, और उसने विद्रोह कर दिया, और जैसा कि वे कहते हैं, बाकी इतिहास है। तो, यह गठबंधन, और वैसे, यह प्रभावशाली लग सकता है जब आपने मिस्र को अपने पक्ष में कर लिया है, लेकिन यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा यशायाह ने कहा था। मिस्र एक नरकट की तरह है, आप जानते हैं, एक तेज लकड़ी का नरकट जो नील क्षेत्र में उगता है।

यदि आप अपना हाथ ईख पर रखते हैं और झुकते हैं, तो यह सीधे आपके हाथ में छेद कर देगा। तो, मिस्र कुछ ऐसा दिख सकता है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं, लेकिन यशायाह ने उसे चेतावनी दी कि यह बस आपको छेद देगा, और निश्चित रूप से, वही हुआ। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं हिजकिय्याह के बारे में जो कह सकता हूँ वही हममें से बाकी लोगों के बारे में भी कह सकता हूँ।

आप धर्मात्मा और मूर्ख हो सकते हैं। यह सचमुच मूर्खतापूर्ण कदम था। इसलिए, वह विद्रोह करता है, और जब पादी, जो एक्रोन का राजा है, एक्रोन उन पलिशती शहरों में से एक है, जब पादी ने गठबंधन में शामिल होने से इनकार कर दिया, तो हिजकिय्याह ने उसे हटा दिया।

तो, आइए देखें कि क्या मैं वहां तक पहुंच सकता हूँ जहां यह है। ठीक है, तो यहाँ है, एक्रोन यहाँ हमारे मानचित्र पर नहीं है, आश्चर्यजनक रूप से, लेकिन एक्रोन इस तरह से इस सामान्य क्षेत्र में नीचे होगा, और इसलिए हिजकिय्याह इस अपेक्षाकृत महत्वहीन राजा को मजबूर करने की

कोशिश करता है, वह उसे गठबंधन में शामिल होने के लिए मजबूर करने की कोशिश करता है, और इसलिए पोती ने शामिल होने से इंकार कर दिया, और इसलिए हिजकिय्याह ने उसे हटा दिया, और यह वह घटना प्रतीत हुई जो सन्हेरीब को पश्चिम में ले आई। हालाँकि, टायर के गिरने के बाद, हिजकिय्याह प्रतिरोध चुनने में लगभग अकेला था।

तो, मैं यहां यह कहना चाहता हूँ: यहां टायर है, और इसलिए टायर इस विद्रोह में भाग लेने वालों में से एक था, और इसलिए हमारे पास यह गठबंधन था। यह मुझे कुछ स्टंट की याद दिलाता है जो हमने तब किए थे जब मैं हाई स्कूल का बच्चा था, और आप जानते हैं, आप और आपके दोस्त, आप शरारत करने जा रहे हैं, और फिर आप शरारत करना शुरू कर देते हैं, और फिर कुछ होता है, और आप देखते हैं चारों ओर, और शरारत करने का आपका विचार ऐसा है कि आप अकेले हैं, और अन्य सभी शरारती लोग भाग गए हैं। खैर, यहाँ वही हुआ; जब यह गठबंधन शुरू हुआ, तो वहाँ कई शहर थे, और जैसे ही टायर गिरा, मिस्रवासियों को छोड़कर बाकी सभी बाहर निकल गए। बेशक, मिस्रवासी वे मिस्रवासी नहीं हैं जिन्हें हम अतीत से जानते हैं; वे उतने मजबूत और शक्तिशाली नहीं हैं।

तो, संक्षेप में, हिजकिय्याह लगभग तुरंत ही खुद को लौकिक चट्टान और एक कठिन जगह के बीच पाता है। इसलिए, वह अपनी सेना को पश्चिम में ले आया, और हिजकिय्याह लगभग अकेला था, शायद मैदान में मिस्रियों को हराने के बाद, सन्हेरीब फिर पूर्व की ओर चला गया। तो, यहां मैं आपको कुछ ऐसा वर्णन करने का प्रयास कर रहा हूँ जो थोड़ा भ्रमित करने वाला है, लेकिन यह इस प्रकार है।

हमें इस बात का अपेक्षाकृत अच्छा अंदाज़ा है कि उसने अपनी सेना को कैसे आगे बढ़ाया होगा। उसने अपनी सेना को इस तरह से स्थानांतरित नहीं किया होगा, लेकिन जब तक उसने सौर पर कब्ज़ा नहीं कर लिया तब तक उसने अपनी सेना को यहाँ पर स्थानांतरित कर दिया। लेकिन शायद असीरियन सेना का मुख्य दल, मुख्य दल ने शायद इसी तरह यात्रा की, और फिर इसी तरह दक्षिण की ओर अपना रास्ता बनाया, और फिर यहीं आ गया।

अब, आप इस मानचित्र से नहीं बता सकते क्योंकि यह बहुत भौगोलिक नहीं है, लेकिन एक पर्वत श्रृंखला है जो इसी तरह चलती है। और इसलिए, यह इस बिंदु पर था कि सन्हेरीब, क्योंकि वह इज़राइल को हराने जा रहा था या उसे हराने की कोशिश कर रहा था, एक विकल्प चुनता है। क्या वह अपना मुख्य भाग इस प्रकार भेजता है क्योंकि वहाँ एक कटक मार्ग है जो उत्तर-दक्षिण तक चलता है? अंतरराज्यीय 80 के बारे में न सोचने का प्रयास करें, लेकिन एक रिज मार्ग है जो उत्तर-दक्षिण तक चलता है।

क्या सन्हेरीब ने अपनी सेना को विभाजित किया या अपनी मुख्य सेना को इस तरह भेजा? या क्या उसने अपनी सेना का एक भाग इसी तरह भेजा और अपनी मुख्य सेना भी इसी तरह तट के नीचे भेजी? खैर, अभिलेखों से हम जो जानते हैं वह यह है कि उसने एल टेका नामक स्थान पर तट पर मिस्रियों के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई लड़ी थी। तो, यह यहीं था, और बहुत संभव है कि जब सन्हेरीब ने आक्रमण किया, तो उसने जो किया वह इस तरह से अपनी सेना को दक्षिण की ओर लाया, अपनी सेना का एक हिस्सा यरूशलेम को घेरने के लिए भेजा, यहां, इसे अपने कमांडर,

रबशाके के अधीन कर दिया, और फिर उसने वह स्वयं अपनी सेना के साथ यहाँ गया और मिस्रियों को हराया। खैर, अब गठबंधन में सभी लोग चले गए हैं, और हिजकिय्याह अकेला खड़ा है।

पूरी असीरियन सेना यहाँ है, और वे इस तरह यरूशलेम तक अपना रास्ता बनाने जा रहे हैं। जेरूसलम तक कई अलग-अलग रास्तों से पहुंचा जा सकता है, लेकिन अगर आप यहां इस क्षेत्र में कहीं हैं, तो आप इस तरह उत्तर की ओर आकर जेरूसलम पहुंचेंगे, जो यहीं है, और फिर वहां एक पहाड़ी है जिसे बीट होरोन रिज कहा जाता है, जिसके बाद तुम आगे बढ़ोगे, और फिर यरूशलेम में आओगे। तो, रबशाके के पास यरूशलेम को घेरने वाली सन्हेरीब की सेना का हिस्सा है, और यहीं पर हम अध्याय 6, श्लोक 36 में हिजकिय्याह के साथ विवरण में प्रवेश करते हैं।

तो, मैं यशायाह के वृत्तांत से आपको पढ़ने जा रहा हूँ। राजा हिजकिय्याह के चौदहवें वर्ष में अशूर के सन्हेरीब ने यहूदा के सब गढ़वाले नगरों पर चढ़ाई करके उन पर अधिकार कर लिया। वह जलवायु विरोधी था।

वह हमें यह नहीं बताता कि हिजकिय्याह इसे स्वयं लाया था। वह बस हमें बताता है कि वह आया और उन्हें जब्त कर लिया। और इस प्रकार पद 2 में, अशूर के राजा ने रबशाके को लाकीश से यरूशलेम को एक बड़ी सेना के साथ राजा हिजकिय्याह के पास भेजा, और वह फुलर के खेत की सड़क पर ऊपरी तालाब की नाली के पास खड़ा हो गया।

तब हिजकिय्याह का पुत्र एल्याकीम जो राजघराने के काम पर था, और शेबा शेब्ना जो मन्त्री था, और आसाप का पुत्र योआक जो इतिहास का लिखनेवाला था। तो, इस लंबे भाषण में, हिजकिय्याह यरूशलेम के अंदर है, यहीं। रबशाके के पास सेना का एक बड़ा हिस्सा है, और रबशाके ने उससे बात करना शुरू कर दिया है और इसलिए अब हमारे पास जो कुछ है वह पुराने नियम में सबसे दुर्लभ वस्तुओं में से एक है।

हमारे पास एक विदेशी राजा का भाषण है जो यरूशलेम को घेर रहा है, और हमारे पास उसके भाषण का अभिलेख है। यह बिल्कुल आश्चर्यजनक है। हमारे पास यह सिर्फ यहीं नहीं बल्कि 2 किंग्स 18 और 19 में भी है।

यह एक संक्षिप्त खाता है। इसलिए, मुझे आशा है कि मैं आपको बोर नहीं करूंगा, लेकिन मैं उनके भाषण का थोड़ा सा हिस्सा पढ़ने के लिए समय निकालूंगा। सो रबशाके ने उन से कहा, और वे भीतर थे, हिजकिय्याह से कहो, महान राजा, अशूर का राजा यों कहता है, तुम्हें यह किस बात का भरोसा है? मैं कहता हूँ कि युद्ध के लिए आपकी सलाह और ताकत केवल खोखले शब्द हैं।

अब तू किस पर भरोसा रखता है, कि तू ने मुझ से बलवा किया? दूसरे शब्दों में, इस चरण तक, हिजकिय्याह अकेला है। तो रबशाके उसका मज़ाक उड़ा रहे हैं। अपने सभी सहयोगियों को बुलाओ।

खैर, वहाँ कोई नहीं हैं। सो देख, तू इस कुचले हुए नरकट की लाठी अर्थात् मिस्र पर भरोसा रखता है, जिस पर यदि कोई टेक लगाए, तो वह उसके हाथ में लगकर छिद जाएगी। मिस्र का राजा फिरौन भी वैसा ही है, जिस पर तुम भरोसा रखते हो।

खैर, वह पहले ही हार चुका है। सो यदि तू मुझ से कहे, कि हमें अपने परमेश्वर पर भरोसा है, तो क्या वह वही नहीं है जिसके ऊंचे स्थानों और वेदियोंको हिजकिय्याह ने छीन लिया है, और यहूदा और यरूशलेम से कहा है, तुम इसी वेदी के साम्हने दण्डवत करना? इसलिये, अब आओ और मेरे स्वामी अशूर के राजा से मोलभाव करो, और यदि तुम उन पर सवार होने के लिये मनुष्य पा सको तो मैं तुम्हें 2,000 घोड़े दूँगा। वह हिजकिय्याह पर ताना मार रहा है क्योंकि असीरियन सेना अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली है, और हिजकिय्याह अकेला है।

तो फिर, तुम मेरे स्वामी के छोटे से छोटे सेवकों में से एक अधिकारी को कैसे हतोत्साहित कर सकते हो और रथों और घुड़सवारों के लिए मिस्र पर भरोसा कैसे कर सकते हो? अब, मैं येपेत की अनुमति के बिना इस भूमि को नष्ट करने के लिए आया हूँ। येपेत ने मुझ से कहा, इस देश पर चढ़ाई करके इसे नष्ट कर दे। खैर, ठीक है, मैं आपको बता दूँ कि अनुच्छेद में क्या चल रहा है क्योंकि यह जो है, यह प्रचार का मामला है।

रबशाके प्रचार में लगे हुए हैं। यरूशलेम शहर के अंदर के लोग, और विशेष रूप से दीवार पर मौजूद लोग, उसके प्रचार को सुन सकते हैं, और इसलिए वह हिजकिय्याह को उसकी असंभव सैन्य दुर्दशा के बारे में ताना मार रहा है। इसे इस तरह से कहें तो, युद्ध के सभी इतिहासों के अनुसार कोई भी कल्पना कर सकता है, हिजकिय्याह के पास कोई मौका नहीं है।

ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे हिजकिय्याह अशूरियों को सैन्य रूप से हरा सके। तो इसके साथ, श्लोक 13 में, रबशाके खड़ा हुआ और यहूदी भाषा में ऊंचे शब्द से चिल्लाया, वह सभी चीजों के बारे में हिब्रू जानता था, और रबशाके की निन्दात्मक वाणी को सुन रहा था। महान राजा, अशूर के राजा के शब्द सुनो।

राजा यों कहता है, हिजकिय्याह तुम को धोखा न देने पाए, क्योंकि वह तुम्हें बचा न सकेगा। न हिजकिय्याह तुम को येपेत पर यह कहकर भरोसा दिलाए कि यहोवा हमें निश्चय बचाएगा। यह नगर अशूर के राजा के हाथ में न दिया जाएगा।

हिजकिय्याह की न सुनना, क्योंकि अशूर का राजा यों कहता है, मुझ से मेल कर ले, और मेरे पास निकलकर अपनी अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष खाओ, और अपना अपना कुण्ड का जल पीओ। जब तक मैं आकर तुम्हें तुम्हारी अपनी भूमि के समान किसी नये देश में न ले जाऊँ। याद रखें कि सन्हेरीब ने 500,000 लोगों को निर्वासित किया था। सावधान रहो, कहीं हिजकिय्याह यह कहकर तुम्हें गुमराह न कर दे कि यहोवा हमें बचाएगा।

और फिर वह एक प्रश्न पूछता है जिसका कोई उत्तर नहीं है जिसे आप दे सकें। क्या राष्ट्रों के देवताओं में से किसी ने अपने देश को अशूर के राजा के हाथ से बचाया है? हमारा और अर्पाद के देवता कहाँ हैं? सेफ़र वालिम के देवता कहाँ हैं? और उन्होंने शोमरोन अर्थात् उत्तरी राज्य को

मेरे हाथ से कब बचाया है? इन देशों के सब देवताओं में से किस ने आपके देश को मेरे हाथ से बचाया, कि येपेत यरूशलेम को मेरे हाथ से बचाए? खैर, सन्हेरीब जो कर रहा है वह बहुत शक्तिशाली प्रचार कर रहा है क्योंकि वह हिजकिय्याह और यहूदियों से कह रहा है, आपको क्यों लगता है कि आपके पास एक मौका है? एक पूरी सदी के लिए मेरे साथ वापस चलो। डेढ़ सदी पीछे जाइये।

हमारे और हमारे देवताओं के विरुद्ध कौन कभी सफल हुआ है? क्या इतने समय में किसी ईश्वर ने कभी अपने लोगों को हमसे बचाया है? हिजकिय्याह इसका उत्तर जानता है। उत्तर कोई नहीं है। एक भी राज्य नहीं, एक भी शहर नहीं, एक भी सेना नहीं, किसी ने भी वास्तव में अशूरियों को नहीं हराया था।

अब आप कह सकते हैं, ठीक है, अहाब करकर में जीत गया। खैर, हम लड़ाई और युद्ध के बीच अंतर कर रहे हैं। अशूर के विरुद्ध कभी भी किसी ने युद्ध नहीं जीता है।

तो, रबशाके दीवारों के बाहर हिजकिय्याह को ताना मार रहा है, और हिजकिय्याह की अपनी मूर्खता ने उसे इस संकट में डाल दिया है। तो, पाठ हमें श्लोक 24 में बताता है, शहर की दीवार के अंदर, वे सभी बिल्कुल चुप थे। कोई कुछ नहीं कह सकता क्योंकि कहने को कुछ है ही नहीं।

खैर, जब वे शहर की दीवार के अंदर आते हैं, तो हम अध्याय 37 में पढ़ते हैं कि जब हिजकिय्याह ने यह सुना, तो उसने अपने कपड़े फाड़ दिए, टाट से खुद को ढँक लिया, और येपेत के घर में घुस गया। तब उस ने एल्याकीम को जो राजघराने के काम पर था, और शोब्रा मन्त्री और याजकोंके पुरनियोंको टाट ओढ़कर आमोस के पुत्र यशायाह भविष्यद्वक्ता के पास भेजा। और उन्होंने उस से कहा, हिजकिय्याह यों कहता है, आज का दिन संकट, और घुड़का, और तिरस्कार का दिन है, क्योंकि बच्चे तो जन्मे, परन्तु माता उन्हें जन्म नहीं दे सकती।

कदाचित येपेत तेरा परमेश्वर रबशाके की बातें सुनेगा, जिसे उसके स्वामी अशूर के राजा ने जीवित परमेश्वर की निन्दा करने को भेजा है, और जो बातें तेरे परमेश्वर यहोवा ने सुनी हैं उनको डांटेगा, इसलिये जो बचे हुए हैं उनके लिथे प्रार्थना करो। बाएं। तब हिजकिय्याह के सेवक यशायाह के पास आए, और यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा, तू अपने स्वामी से योंकहना, यहोवा यों कहता है। यह अद्भुत है, आप जानते हैं, सेनाएँ बाहर हैं, निन्दा एक फुट गहरी है, परन्तु यशायाह कहता है, यहोवा यों कहता है।

एक भविष्यद्वक्ता के अलौकिक शब्द. जो बातें तू ने सुनी हैं, जिनके द्वारा अशूर के राजा के सेवक मेरी निन्दा करते हैं, उनके कारण मत डर। देख, मैं उस में आत्मा उत्पन्न करूंगा, और वह अफवाह सुनकर अपने देश को लौट जाएगा, और मैं उसे उसी के देश में तलवार से मार डालूंगा।

खैर, फिर यही हुआ। इस घटना के बाद, रात के दौरान, पाठ हमें बताता है कि प्रभु के दूत ने 185,000 अशूरियों को मार डाला। वह बहुत सारे मृत लोग हैं।

मैं आपको सुझाव दूंगा कि 185,000 संभवतः 30 या 40,000 सैनिकों से अधिक नहीं है, और उस संख्या का बड़ा प्रतिशत रसद कर्मियों के बारे में है। यह बहुत कम संभावना है कि असीरियन

सेना में 185,000 लोग थे, लेकिन रात के दौरान, देवदूत सेना और पूरी रसद सहायता टीम दोनों को नष्ट कर देता है, और सुबह कोई भी नहीं जागता। खैर, ठीक उसी तरह, पहली बार, असीरियन पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

और इसलिए, इसे ध्यान में रखते हुए, हम देख सकते हैं कि भगवान ने अपने शहर, यरूशलेम को बचाया है। हिजकिय्याह, बाद में, अशूरियों के सामने आत्मसमर्पण कर देगा क्योंकि हिजकिय्याह राजनीतिक स्थिति को देखता है और ऐसा कुछ कहता है। भगवान ने दुश्मन सेना को नष्ट कर दिया है, लेकिन हर कोई जानता है कि असीरियन कैसे हैं, और इसमें उन्हें तीन साल लग सकते हैं, इसमें उन्हें चार साल लग सकते हैं, लेकिन वे बस वापस आने वाले हैं, इसलिए अब आत्मसमर्पण करना और श्रद्धांजलि देना बेहतर है इसके बजाय कि सेना वापस आये और मेरे शहर को नष्ट कर दे।

इसलिए, हिजकिय्याह ने भारी मात्रा में सोना और चाँदी की प्रतिभाएँ भेजीं। वह उसे यह पूरी सूची भेजता है, यदि आप दस्तावेज़ पढ़ना चाहते हैं, तो यह आपके लिए अंग्रेजी अनुवाद में उपलब्ध है, जिसमें हिजकिय्याह द्वारा भेजी गई हर चीज़ की सूची सूचीबद्ध है। यहां तक कि वह बंदी बना लेता है, हिजकिय्याह मंदिर के संगीतकारों को भेज देता है, वह अपनी बेटियों को भेज देता है, वह अपनी कुछ पत्नियों को भेज देता है, वह भारी मात्रा में चाँदी और सोना भेज देता है, ताकि हिजकिय्याह, पूरी ईमानदारी से कहें तो, हिजकिय्याह वह श्रद्धांजलि भेजता है जो उसे मिलनी चाहिए थी यदि शहर पर कब्ज़ा कर लिया गया होता तो भेजा जाता।

लेकिन ऐसा करके, वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की गारंटी दे सकता है, और अपने देश के लिए, वह यह गारंटी दे सकता है कि असीरियन वापस नहीं आएंगे। श्रद्धांजलि स्वीकार करने से वह वापस नहीं आता। तो, हम इस पूरी दिलचस्प कहानी का क्या मतलब निकालें जिसका मैंने अभी उल्लेख किया है? खैर, हम आपको बता सकते हैं कि यह 701 ईसा पूर्व में हुआ था, और हम इसे जानते हैं।

यशायाह ने लिखा, मैं उस में अफवाह की आत्मा डालूंगा, और वह अपने देश को लौट जाएगा, और वहां उसकी हत्या कर दी जाएगी। इससे बहुत सारे विद्वानों में भ्रम पैदा हो गया है कि क्या हो रहा है क्योंकि, वास्तव में, सन्हेरीब की हत्या कर दी गई है, लेकिन 689 तक उसकी हत्या नहीं की गई है। इसलिए, इसने असीरियन काल के अधिक दिलचस्प प्रश्नों में से एक को जन्म दिया है, और प्रश्न यह है, क्या सन्हेरीब एक बार यरूशलेम के विरुद्ध आया था? हम जानते हैं कि वह 701 में आये थे।

क्या वह 689 या 690 में दूसरी बार आये? ठीक है, यह शायद उत्तर देने योग्य नहीं है, परन्तु यह आपको केवल यह बताने के लिए है कि जब यशायाह ने लिखा, तो मैं उस में अफवाह की आत्मा डालूंगा, और वह अपने देश को वापस चला जाएगा; सन्हेरीब को वास्तव में फाँसी दिए जाने में 11 वर्ष और लगे, यानी 12 वर्ष और। तो, इससे लोगों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि शायद सन्हेरीब के केवल एक नहीं बल्कि दो अभियान थे। इसलिए, सन्हेरीब बेबीलोन लौट आया और अंततः उसे मार दिया गया।

यहाँ जो कुछ हुआ है उसके बारे में कुछ बातें मैं आपको बताना चाहूँगा जो मुझे लगता है कि उल्लेखनीय हैं। इनमें से पहला यह है कि परमेश्वर यरूशलेम को शत्रु से बचाता है। शहर को घेर लिया गया है, कोई बच नहीं सकता, कोई उम्मीद नहीं है, लेकिन भगवान शहर को बचाता है, और हम सवाल पूछते हैं, वह ऐसा क्यों करता है? उसने पहले ऐसा नहीं किया, और वह ऐसा बाद में भी नहीं करता, तो वह यहाँ ऐसा क्यों कर रहा है? खैर, मैंने मंच पर सुना है कि इसका संबंध हिजकिय्याह की प्रार्थना से था, कि हिजकिय्याह एक धर्मी व्यक्ति था।

खैर, वह मूर्ख हो सकता है, लेकिन वह एक धर्मी व्यक्ति था। लेकिन वास्तव में, मुझे लगता है कि पाठ बिल्कुल स्पष्ट है कि भगवान ने रबशाके के अपवित्र, अपमानजनक, प्रचारात्मक बयानों के कारण यरूशलेम को बचाया। परमेश्वर ने यरूशलेम को इसलिये नहीं बचाया क्योंकि हिजकिय्याह बहुत धर्मी था।

उसने यरूशलेम को इसलिए नहीं बचाया क्योंकि परमेश्वर यरूशलेम को गिरने नहीं दे सकता था, यरूशलेम को गिरने देने के लिए स्वयं को तैयार नहीं कर सकता था। उन्होंने यरूशलेम को आदर्श रूप से वितरित नहीं किया ताकि वह आने वाली सभी पीढ़ियों को यह संदेश दे सकें कि यदि आपके पास विश्वास है, तो भगवान यही करेंगे। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े साम्राज्य को संदेश भेजा कि जब आप इज़राइल के ईश्वर की निंदा करते हैं, तो इज़राइल के ईश्वर के पास आपको नष्ट करने की शक्ति है।

दुर्भाग्य से, ऐसा प्रतीत होता है कि इससे एक भयावह रूप से खराब धर्मशास्त्र का जन्म हुआ, जिसे सिथ्योन धर्मशास्त्र कहा जाता है। हम सिथ्योन धर्मशास्त्र को जानते हैं। यह उन वाक्यांशों में सन्निहित है जिन्हें हम मीका और बाद में बेबीलोनियन काल में किताबों में पढ़ते हैं।

सिथ्योन धर्मशास्त्र इस आधार पर बनाया गया है कि यरूशलेम येपेथ का घर है, और वह यरूशलेम को कभी भी दुश्मन के हाथों गिरने नहीं देगा। सिथ्योन धर्मशास्त्र यहूदी धर्म का एक निश्चित हिस्सा बन गया, और मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इसकी गलत व्याख्या की गई थी। यानी। वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे प्रतीत होते हैं कि चूँकि येपेथ ने इस बार यरूशलेम को गिरने से बचाया था, तो येपेथ हर समय यरूशलेम की ओर से ऐसा ही करने वाला था।

उनके पास एक धर्मशास्त्र था जो यह तर्क देता था। यह भगवान का निवास स्थान है। यह वह स्थान है जहाँ मंदिर है।

यह वह स्थान है जहाँ सन्दूक है, और परिणामस्वरूप, यह कभी गिर नहीं सकता या नष्ट नहीं हो सकता। शायद वह हिजकिय्याह की परेशानी का हिस्सा था।

शायद हिजकिय्याह इस विचार के प्रभाव में था कि वह प्रभु के प्रति वफादार रहा है, और प्रभु को उसके प्रति वफादार रहना होगा। लेकिन वास्तव में, सिथ्योन धर्मशास्त्र कैसर था जिसने यरूशलेम के पतन तक उनके साथ ईश्वर की उपस्थिति की वास्तविकता को खा लिया, क्योंकि नव-बेबीलोनियन काल की समय अवधि में बहुत बाद की तारीख में, वे एक परिस्थिति में फिर से विद्रोह करेंगे यहाँ की भयावह याद ताजा हो रही है, यह सोचकर कि विद्रोह करके, वे भगवान के हाथ को नव-बेबीलोनियन काल की समयवधि में उसी तरह से उन्हें छुड़ाने के लिए मजबूर करेंगे

जैसे उन्होंने यहीं किया था। तो, यशायाह 2 राजा 18 और 19 में यह बहुत शक्तिशाली और महत्वपूर्ण कहानी हमें याद दिलाती है कि भूमि में इज़राइल की उपस्थिति समाप्त हो सकती है।

वास्तव में, जब आप व्यवस्थाविवरण में वापस जाते हैं, और आप शाप पढ़ते हैं, तो भगवान व्यवस्थाविवरण और लेविटिकस में उन शापों में सीधे तौर पर कहते हैं, वह सीधे तौर पर कहते हैं कि यदि तुम अवज्ञाकारी हो तो मैं तुम्हें तुम्हारी भूमि से निष्कासित कर दूंगा। तो, यह कहानी, जो थोड़ी भ्रमित करने वाली है क्योंकि हम आसानी से इसके कालक्रम और इस तरह की चीजों को दोबारा नहीं बना सकते हैं, यह कहानी अशूरियों और अन्य बाद के पाठकों को यह दिखाने के लिए एक कहानी है कि इज़राइल का भगवान वास्तव में वह भगवान है जो है प्रभारी और इज़राइल केवल वही करता है जो भगवान करता है, क्षमा करें, अशूर केवल वही करता है जो इज़राइल का भगवान उसे करने देता है। यशायाह ने परमेश्वर की ओर से लिखा, अशूर मेरी छड़ी है।

इसका मतलब है कि भगवान दुनिया को यह सिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि असीरिया दुनिया की पहली महाशक्ति हो सकती है, लेकिन यह इज़राइल के भगवान के अधिकार और शक्ति के अधीन है। अब, जहाँ तक हिजकिय्याह की बात है, दुर्भाग्य से, हिजकिय्याह एक धर्मात्मा राजा और एक राजा दोनों है जो राज्य के मामलों को नियंत्रित करना चाहता है। तो, यहाँ अशूरियों के विरुद्ध उसके विद्रोह के परिणामस्वरूप क्या हुआ।

उसने वो सारी बातें खो दीं जिनके बारे में मैंने आपको बताया था कि आप जाकर पढ़ सकते हैं। उसने 46 को भी खो दिया, सन्हेरीब ने हमें बताया कि उसने 46 दीवारों वाले शहरों पर कब्ज़ा कर लिया। यह बहुत सारे यहूदी शहर हैं जिन्हें हिजकिय्याह ने खो दिया, 46 दीवार वाले शहर।

सन्हेरीब हमें बताता है कि उसने 200,000 यहूदियों को बंदी बना लिया। तो, व्यवहार में इसका मतलब यही है। तो, मानचित्र पर बैंगनी क्षेत्र यहूदिया है।

इसका मतलब हिजकिय्याह की मूर्खता के कारण सन्हेरीब के आक्रमण के परिणामस्वरूप था, जो संभवतः इस विनाशकारी निर्णय के बाद आधे आकार का था। बाद की तारीख में, हिजकिय्याह एक और आध्यात्मिक अविवेक करता है क्योंकि बेबीलोन का राजा हिजकिय्याह के पास दूत भेजता है। इसके बारे में हम अगले अध्याय में पढ़ेंगे।

हिजकिय्याह यरूशलेम में मंदिर जाता है, मंदिर खोलता है, और मेरोडाक-बालादान के दूतों को दिखाता है। वह उन्हें मंदिर की संपत्ति दिखाता है। लगभग निश्चित रूप से, हिजकिय्याह जो कर रहा था वह एक और गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहा था।

इस बार बेबीलोनियों के साथ। और, निःसंदेह, हिजकिय्याह को इसके लिए भी दोषी ठहराया गया है। इसलिए, मुझे पता है कि यह कहना आसान और सरल लगता है, लेकिन मैं आपको याद दिलाऊंगा, भगवान ने उन्हें चेतावनी दी थी कि आपके आस-पास के सभी देशों की तरह एक राजा का मतलब है कि राजा को अंतर्राष्ट्रीयवादी नहीं होना चाहिए।

दो बार, हिजकिय्याह ने गठबंधन बनाया है या गठबंधन बनाने की कोशिश की है। दोनों ही बार प्रलय हुई है। राजा को सैन्यवादी नहीं होना चाहिए।

अर्थात्, उसे अपनी लड़ाई लड़ने के लिए सेनाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। तो, हिजकिय्याह, दुर्भाग्य से, अपनी सारी रूढ़िवादिता के लिए, अपनी सारी भक्ति के लिए, हिजकिय्याह अन्य सभी राष्ट्रों की तरह एक राजा की तरह काम कर रहा है। ठीक है, इससे पहले कि मैं इसे जाने दूँ एक आखिरी बात, क्योंकि हमारे पास लाकीश शहर के पतन के संबंध में एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है।

यदि आप देख सकते हैं कि मेरा कर्सर कहाँ इंगित कर रहा है, तो हम मारेशा नामक स्थान पर हैं, और यही वह क्षेत्र है जहाँ हमारा लाकीश शहर है। लाकीश, हिजकिय्याह के इस समय में, यरूशलेम का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। लाकीश तटीय मैदान की रक्षा करता है, और यह हिजकिय्याह को शक्तिशाली बनाता है क्योंकि यह प्रतिबंध लगा सकता है, लाकीश इस सड़क पर यातायात पर रोक लगा सकता है, यह राजा के लिए राजस्व की गारंटी दे सकता है।

लाकीश इस समय यरूशलेम का सबसे बड़ा नगर है। स्वाभाविक रूप से, हिजकिय्याह ने लाकीश को घेर लिया था, और इसलिए हमारे पास लाकीश की घेराबंदी दिखाने वाली एक तस्वीर है।

मुझे यकीन नहीं है कि आपकी नज़र इसमें से कितना देख सकती है, लेकिन यह युद्ध राहत का एक खंड है। सन्हेरीब ने इसे असीरिया में अपने महल में दर्ज किया। यहाँ एक जुडियन बैटलमेंट टॉवर है।

टावर के शीर्ष पर, हम एक यहूदी तीरंदाज को शूटिंग करते हुए देखते हैं। हम उन्हें अजीब-सी दिखने वाली चीज़ें फेंकते हुए देखते हैं जो थोड़ी-थोड़ी सिगरेट जैसी या उसके जैसी कुछ दिखती हैं। ये वास्तव में डंठल के बंधे हुए टुकड़े और जलने योग्य चीज़ें हैं जिन्हें वे यहां फेंक रहे हैं क्योंकि यह घेराबंदी का इंजन है।

वे लाकिश की दीवारों में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। तो यहाँ असीरियन घेराबंदी इंजन है। क्या आप देख सकते हैं कि यह कैसा दिखता है? यहाँ पिटाई करने वाला राम है।

पीटने वाला मेढ़ा युद्ध टॉवर पर हमला कर रहा है। वे घेराबंदी इंजन को जलाने की कोशिश कर रहे हैं। यहाँ यहूदी स्त्रियाँ बन्धुवाई में जा रही हैं।

यह सन्हेरीब के महल से लिया गया है, जिसने लाकीश पर कब्ज़ा करने का जश्न मनाया था। तो, हमारे पास यह तस्वीर उस बिंदु को दर्शाती है। हिजकिय्याह ने अपने साम्राज्य का सबसे महत्वपूर्ण शहर अश्शूरियों के हाथों खो दिया।

और इसलिए, सभी बातों पर विचार करने पर, एक राजा जिसे सिंहासन ग्रहण करते समय एक मामूली रूप से मजबूत हाथ दिया जाता है, वह उन आदेशों के उल्लंघन के कारण बहुत कमजोर हो जाता है जो भगवान ने अंतरराष्ट्रीय गठबंधन नहीं बनाने के बारे में दिए थे। जहाँ तक सन्हेरीब

की बात है, 689 में उसकी हत्या कर दी गई। उसकी हत्या दो बेटों ने की है जो उसके खिलाफ साजिश रच रहे हैं और खुद राजा बनना चाहते हैं।

तो दोस्तों, जब आप राज्यों में देखते हैं, जब आप हत्या करके हटाए गए राजाओं को देखते हैं, तो आप एक ऐसे साम्राज्य या राज्य को देख रहे होते हैं, जिसमें परेशानियां होती हैं। इससे पहले कि हम अशूर साम्राज्य का अंत कर लें, अब ज्यादा दूर नहीं जाने वाला है। तो वह हमें एसरहदोन तक ले जाएगा।

सन्हेरीब की उसके बेटों ने हत्या कर दी। एसरहदोन का बेटा राजा बनेगा, लेकिन वह स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं है। वह वास्तव में वफादार बेटा है।

निर्वासन के बाद उन्होंने राजगद्दी हासिल की। जाहिर है, उनका पहला कार्य बेबीलोन का पुनर्निर्माण करना था। इसलिए एशरहदोन के भाई, जो बड़े हैं और राजा बनना चाहते हैं, ने उसे निर्वासन में जाने के लिए मजबूर कर दिया है।

अपने पिता की हत्या करने के बाद, एसरहदोन निर्वासन से बाहर आता है, इन दो बेटों, मुझे कहना चाहिए, इन दोनों भाइयों को हराने और मारने में सफल होता है, और अशूर का सिंहासन अपने लिए जीत लेता है। अपने सातवें वर्ष में, उसने मिस्र पर आक्रमण करने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। बेशक, सर्वव्यापी न्युबियन का मतलब है कि तिरहाका एक काले मिस्र के फिरौन का था जो वास्तव में मिस्र के सुदूर दक्षिण से आया था।

तिरहाका सर्वव्यापी है। वह कुछ समय के लिए मिस्रवासियों के लिए काँटा बना रहेगा। हालाँकि, अपने दसवें वर्ष में, वह वापस लौटा और मेम्फिस पर विजय प्राप्त की।

कई वर्षों के बाद, तिरहाका द्वारा विद्रोह भड़काने के कारण उसने लौटने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। तो, हम इसके बारे में क्या पढ़ सकते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि हम इसे देख सकते हैं।

यहाँ एसरहदोन का विस्तार है। और इसका मतलब यह है कि यह हल्का नीला, यह हल्का नीला वह क्षेत्र है जिस पर एसरहदोन ने विजय प्राप्त की थी। वह उत्तरी मिस्र, या मिस्र की भाषा में, निचले मिस्र को जीतने में सफल रहा क्योंकि नील नदी उत्तर की ओर बहती है।

इसलिए, वह मेम्फिस पर कब्जा करने में सफल रहा। और सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, गुब्बारे को देखें। गुब्बारा ऐसा लगता है जैसे यह बड़ा और बड़ा होता जा रहा है।

वास्तव में, आप यह सब देखते हैं, और आपको लगता है कि मानव अस्तित्व के इस दुःस्वप्न को कभी भी कोई नहीं रोक सकता क्योंकि साम्राज्य लगातार बड़ा और बड़ा होता जा रहा है। इसलिए, एसरहदोन लंबे समय तक शासन नहीं करता है। यहां एक छोटा सा उदाहरण दिया गया है जो आपको दिखाता है कि कैसे उन्होंने चट्टान के इन भारी टुकड़ों को स्थानांतरित किया जिससे उनकी दुनिया बनी।

उन्होंने पुली की एक प्रणाली विकसित की, और उन्होंने उन्हें इन विशाल ब्लॉकों, या इस मामले में, एक पंख वाले बैल के चारों ओर लपेट दिया। और वे इन विशाल, बहुत भारी वस्तुओं को ब्लॉक और टैकल के माध्यम से स्थानांतरित कर सकते थे और उन्हें स्थानांतरित कर सकते थे और बड़ी संरचनाएं बना सकते थे। पिरामिडों के निर्माण के बारे में सुनकर मैंने बहुत सारी पौराणिक कथाएँ पढ़ी हैं।

लोग पिरामिडों के बारे में बात करते हैं क्योंकि पत्थर बहुत बड़े थे। उन्हें अवश्य ही बाह्य अंतरिक्ष से मदद मिली होगी। तो, हम पिरामिडों से बहुत दूर नहीं हैं, लेकिन जैसा कि मैं आपको दिखाता हूँ, यह बाहरी स्थान नहीं हो सकता है। यह सिर्फ ब्लॉक और टैकल है।

लेकिन वे बहुत बड़ी वस्तुओं को स्थानांतरित कर सकते थे, जिनमें ये बहुत बड़े ब्लॉक भी शामिल थे जिन्हें आप यहीं देख रहे हैं, जिन्हें भी स्थानांतरित किया गया था। इसलिए, प्राचीन लोग इस बात में बहुत कुशल थे कि वे अपनी दुनिया को अपने लिए कैसे काम में ला सकते हैं। खैर, हम यहाँ हैं।

अंतिम महान असीरियन राजा, अशर्बनिपाल। जैसा कि आप देख सकते हैं, उनका एक लंबा शासनकाल है। उन्होंने 668 से 627 तक शासन किया।

उसके पास एक लंबा शासन है, और ऐसा लगता है कि वह सफल है क्योंकि जब आप मानचित्र को देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि इस दुःस्वप्न का अंत कभी नहीं होगा। गहरे नीले रंग को देखो। इस बारे में कुछ बहस है कि क्या अशर्बनिपाल ने एलाम को जोड़ा या एसरहदोन ने।

मैं यह तर्क देना पसंद करता हूँ कि अशर्बनिपाल ने एलाम को अपने साम्राज्य में जोड़ा, लेकिन ध्यान दें कि एलाम को जोड़ा गया है और फिर मिस्र को। मैंने वह ग़लत किया। क्षमा करें, मैं वह भूल गया था।

आइए यहाँ वापस जाएँ और एक नज़र डालें। उसने मिस्र को साम्राज्य में शामिल कर लिया। और इसलिए अब, अगर मैं सिर्फ नाटक के लिए कह सकता हूँ, तो यहाँ अंतिम महान असीरियन राजा है।

दुःस्वप्न जारी है। ऐसा लगता है कि यह कभी ख़त्म नहीं हो सकता। और देखो क्या होता है।

अंतिम महान असीरियन राजा में, साम्राज्य अपने सबसे महानतम, अंतिम महानतम पर था। एलाम, जो सबसे पुराना जीवित साम्राज्य है, असीरियन साम्राज्य में जोड़ा गया है। वह अपनी स्वतंत्रता खो देता है।

मिस्र, प्राचीन काल का सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाला साम्राज्य, लगभग 3,000 वर्षों तक चला। मिस्र अब साम्राज्य में शामिल हो गया। मानचित्र पर देखो। न केवल संपूर्ण उपजाऊ क्रिसेंट और अनातोलिया बल्कि संपूर्ण मिस्र भी।

गुब्बारे की एक हकीकत होती है. गुब्बारा अपने सबसे बड़े विस्तार पर पहुंच गया है। अपेक्षाकृत कम समय में गुब्बारा फूटने वाला है।

और फिर, एक दशक के भीतर, यह सब खत्म हो गया। यह अखंड पत्थर, हिंसा और बुतपरस्ती का यह भयावह समूह, इतनी अचानक खत्म हो जाएगा कि इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। तो, हम अशर्बनिपाल के शासनकाल को देखेंगे।

वह अंतिम महान असीरियन राजा है, और इसलिए हम उसके शासनकाल को देखेंगे। उसने नौ सेनाएँ बनाई - वैसे, एज्रा 4:10 में, उसे ओस्त्राप्पर कहा गया है। क्या आप यह देख सकते हैं? यह अंग्रेजी में एक अजीब शब्द है, लेकिन यह हमें याद दिलाता है कि इन नामों को मूल भाषा में स्थानांतरित करना हमेशा आसान नहीं होता है।

इस प्रकार, उदाहरण के लिए, यूनानियों ने अशर्बनिपाल के लिए सरदानापोलिस का आविष्कार किया। तो, यह लगभग बहुत मज़ेदार है। अपने शासन काल में उसने नौ सैन्य अभियान किये, जिनमें से पहला मिस्र के विरुद्ध था।

तिरहाका ने एक बार फिर मेम्फिस पर कब्ज़ा कर लिया था, इसलिए अशर्बनिपाल ने आक्रमण किया और तिरहाका को हरा दिया, जिसकी स्पष्ट रूप से जल्द ही मृत्यु हो गई। तो, तिरहाका एक बहुत ही प्रभावशाली न्युबियन राजा था जिसने खुद को मिस्र के सिंहासन पर बिठाया था। सौ साल पहले कुछ लोग सोचते थे कि अश्वेत इस तरह की चीजें करने के लिए पर्याप्त स्मार्ट नहीं थे।

कोई तिरहाका बताना भूल गया. वह अशूरियों के लिए एक बड़ा कांटा बनने में कामयाब रहा और कुछ साहसी व्यक्ति था। हालाँकि, उनके उत्तराधिकारी तनुत अमुन ने भी असीरिया का विरोध किया।

तो, अब अशर्बनिपाल एक विशाल सेना इकट्ठा करता है। उसने मिस्र पर आक्रमण किया। उसने मेम्फिस पर पुनः कब्ज़ा कर लिया, लेकिन उसने नदी के ऊपर की ओर कदम बढ़ाया और थेब्स के प्राचीन ऐतिहासिक शहर पर कब्ज़ा कर लिया।

नहूम की किताब में इसका उद्देश्य यहूदा को चेतावनी देना था। यदि कोई अमुन या थेब्स नहीं गिर सकता, तो आप भी गिर सकते हैं। बाद में, मिस्र में 20वां राजवंश शुरू हुआ और सेमिटिकस ने अशूरियों को निष्कासित कर दिया।

इस बीच, बेबीलोन में, अशर्बनिपाल के भाई शमाश-शुम-उकिन ने अपने भाई अशर्बनिपाल के शासन को तोड़ने का प्रयास किया। वह आज्ञादी चाहता था. वह अपना राजा स्वयं बनना चाहता था।

इसलिए, वह पहले से ही सेमिटिकस को निष्क्रिय समर्थन दे रहा था, और फिर बाद में खुले विद्रोह में था। तो, 651 से 48 के वर्षों में, अशर्बनिपाल ने घेर लिया, या बाबुल को घेर लिया, और फिर बाबुल गिर गया, और शमाश-शुम-उकिन मारा गया, और यह अशूरियों के लिए एक और जीत की तरह दिखता है। पूरी दुनिया को ऐसा लग रहा है जैसे यह कभी खत्म नहीं होने वाला है।

645 में, उसने एलिम पर विजय प्राप्त की, और सुसा को बर्खास्त कर दिया, जिससे दुनिया के सबसे पुराने देशों में से एक का अंत हो गया। कुल मिलाकर, 645 में, असीरिया अपनी सबसे बड़ी शक्ति पर था। हालाँकि, ऐसा मामला नहीं है।

अब, इससे पहले कि हम असीरिया के पतन के बारे में बात करें, मैं आपको बता दूँ कि इस राजा का सबसे बड़ा योगदान, विडंबनापूर्ण है, और मुझे लगता है कि यह पूरे प्राचीन इतिहास की सबसे आश्चर्यजनक विडंबनाओं में से एक है, यह है कि इस राजा का मानवता के लिए सबसे बड़ा योगदान है और इतिहास निश्चित रूप से उसका साम्राज्य नहीं था, बल्कि उसका पुस्तकालय था। दूसरे शब्दों में, अशर्बनिपाल एक पुरातनपंथी था। वह एक राजा था जो पढ़ना-लिखना जानता था और उसे मेसोपोटामिया के अविश्वसनीय इतिहास के बारे में सीखना बहुत पसंद था।

वह पूरी तरह से जानता था कि मेसोपोटामिया का इतिहास हजारों साल पुराना है, और वह इसमें रुचि रखता था। उसके पास कोई दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी नहीं था, इसलिए वह अपना ध्यान अपनी लाइब्रेरी की ओर लगा सकता था। अब, निःसंदेह, यह कोई पुस्तकालय नहीं है जैसा हम जानते हैं।

यह मिट्टी की गोलियों का एक पुस्तकालय है। लेकिन उन्होंने जो किया वह यह था कि शायद पहले पुरातत्वविद् के रूप में, उन्होंने श्रमिकों की टीमों को उन महत्वपूर्ण शहरों में जाने के लिए नियुक्त किया जिनका अब उपयोग नहीं किया जाता था, और वे खुदाई करते थे, वे प्राचीन पुस्तकालय ढूँढते थे, और वे उन्हें खोदते थे, और फिर वे गोलियाँ वापस अशर्बनिपाल के पुस्तकालय में लाएंगे, और फिर वे उनका नव-असीरियन में अनुवाद करेंगे। देखिए, दूसरे शब्दों में, गोलियाँ सुमेरियन में लिखी जाएंगी, या वे अक्काडियन में लिखी जाएंगी, लेकिन वे ऐसी भाषाएं हैं जिन्हें अब लोग नहीं पढ़ सकते हैं।

इसलिए, उन्होंने इन टीमों को अपने पेशेवरों द्वारा नियोजित-असीरियन दस्तावेजों में अनुवाद करने के लिए गोलियों को खोजने के लिए भेजा ताकि जब हम पहले गिलगमेश महाकाव्य के बारे में बात करें, तो हम अक्काडियन में लिखे गए या पुराने में लिखे गए गिलगमेश महाकाव्य के बारे में बात न कर रहे हों। बेबीलोनियाई। हम जिस गिलगमेश महाकाव्य को पढ़ रहे थे वह नव-असीरियन वृत्तांत है। इसका अशर्बनिपाल के विद्वानों द्वारा नव-असीरियन में अनुवाद किया गया था, और यही वह विवरण है जिस पर हम काम करते हैं।

तो, मेरे सोचने के तरीके में, यह लगभग एक विडंबना है कि जब हम इन अशूरियों के बारे में पढ़ते हैं जो बेहद क्रूर थे, तो हमारे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है, और फिर भी यह अशर्बनिपाल का शासनकाल था जिसने दुनिया की पहली महान लाइब्रेरी बनाई और दी। हमारे पास ऐसे दस्तावेज़ हैं जो शायद हमारे पास कभी नहीं होते अगर उसने उन्हें हमारे लिए नहीं छोड़ा होता। कितनी विडम्बना है, है ना, कि ये लोग जिन्होंने इतना कुछ नष्ट किया, इतने सारे लोगों की हत्या की, इतने सारे लोगों पर अत्याचार किया, कितनी विडम्बना है कि अशर्बनिपाल दुनिया के लिए अशूर के सारे सोने से भी बड़ा खजाना छोड़ जाएगा क्योंकि उसने अपना विश्व ज्ञान छोड़ दिया

था। किसने स्वप्न में सोचा होगा कि यह अंतिम महान असीरियन राजा का कार्य होगा? खैर, यहाँ हमारी स्थिति है।

आज हमारा समय लगभग खत्म हो चुका है। 639 के बाद, रिकॉर्ड समाप्त हो जाते हैं, और इसलिए हम वास्तव में असीरियन साम्राज्य के अंत के वर्षों को फिर से नहीं बना सकते हैं। कई अस्पष्ट राजाओं को असीरियन राजा सूची में सूचीबद्ध किया गया है, हालांकि गृह युद्ध नहीं तो संभवतः आंतरिक संघर्ष था।

हालाँकि, हम असीरियन साम्राज्य के पिछले 20 वर्षों की घटनाओं को दोबारा नहीं बना सकते। 614 तक, एक फ़ारसी राजा, मीडिया के राजा, साइक्सारेस ने अश्शूर की राजधानी अश्शूर पर कब्ज़ा कर लिया। 612 में, नीनवे का महान शहर मेड्स के हाथों गिर गया जब बेबीलोन के राजा नाबोपोलस्सर की सेनाएँ युद्ध में बहुत देर से पहुंचीं।

कुछ सेनाएँ पश्चिम से हारान की ओर भाग गईं, जो आपको हमारी उत्तरी उर चर्चा से याद होगी, और वहाँ उन्होंने मिस्र की मदद से हारान में एक नया राजवंश स्थापित करने का प्रयास किया। 609 तक, असीरिया हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा, जो उस नफरत का एक अंश है जो उसने प्राचीन दुनिया भर में प्रेरित किया था। तो कुछ ही वर्षों में, 300 साल पुराना साम्राज्य नष्ट हो गया।

फिर कभी अश्शूर के शहरों पर अश्शूरियों का कब्ज़ा नहीं होगा, और असीरिया खो जाएगा और हमेशा के लिए खो जाएगा क्योंकि बेबीलोनियों को अंततः अपना बदला मिल जाएगा, और बेबीलोनियों के पास अंततः अपना साम्राज्य होगा। हम्मूराबी को काफी समय हो गया है। इसमें केवल एक सहस्राब्दी का समय लगता है, और बेबीलोनियों का अपना अंतिम साम्राज्य होता है, और यही हम अपने अगले टेप में शुरू करेंगे, जो नियो-बेबीलोनियन साम्राज्य के बारे में है, जिसे नबूकदनेस्सर ने प्रसिद्ध किया था।

मुझे विश्वास है कि आप हमारे साथ इसका इंतजार करेंगे। हम पाठ्यक्रम के लगभग अंत पर हैं। इसलिए, एक बार फिर, मैं आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 20 है, असीरिया का निधन।